पूजन अर्चन ध्यान और वंदन,
ये हैं जीवन के आधार,
पितरों का तू सुमिरन कर ले,
हो जाएगा बेड़ा पार।।

तर्ज कस्मे वादे प्यार वफ़ा।

ध्यान हृदय में इनका धरकर,
जो भी इन्हें मनायेगा,
पित्तरों की किरपा से ये घर,
अन्न धन से भर जायेगा,
पूरे होंगे काम अधूरे,
सर्वस तू इन पर बलिहार,
पुजन अर्चन ध्यान और वंदन,
ये हैं जीवन के आधार।।

जब जब विपदा आए तुम पर,
पित्तरों का सुमिरन कर ले,
होंगे तेरे काम सफल सब,
कुलदेवता को मनन कर ले,
घर में इनके आशीर्वाद से,
आएगी खुशियाँ बेशुमार,
पुजन अर्चन ध्यान और वंदन,
ये हैं जीवन के आधार।।

धन दौलत से घर भरते हैं,
दु:ख दारिद्र मिटाते हैं,
सबकी पीड़ा हर लेते हैं,
कृपा सदा बरसाते हैं,
परशुराम ये जान रहे हैं,
सबके मन के भाव विचार,
पुजन अर्चन ध्यान और वंदन,
ये हैं जीवन के आधार।।

पूजन अर्चन ध्यान और वंदन,
ये हैं जीवन के आधार,
पितरों का तू सुमिरन कर ले,
हो जाएगा बेड़ा पार।।

गायक लेखक एवं प्रेषक
परशुराम जी उपाध्याय।
9307386438

Source:
https://www.bharattemples.com/pujan-archan-dhyan-aur-vandan-ye-hai-jeevan-ke-aadhar/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw